

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

02435

बी.एस.के.एफ.-001 : संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं चार को शुद्ध रूप में लिखिए : 2
नारायण, करिष्यामी, गच्छतू, वाक्यम्, हितापदेश, नास्ति ।
- (ख) कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से किसी एक को चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 2
(अ) न परिचयं _____ ।
(जानाति, रक्षति)
(ब) हितोपदेशः नीतिग्रन्थः _____ ।
(अस्ति, नास्ति)
(स) _____ चलचित्रं द्रष्टुं गच्छामः ।
(यूयम्, वयम्)
(द) भासः प्रसिद्धः _____ अस्ति ।
(चित्रकारः, नाटककारः)

2. (क) निम्नलिखित शब्दों के निर्दिष्ट रूप लिखिए : 2
- राजन् (पुंल्लिंग) प्रथमा विभक्ति, बहुवचन
 नदी (स्त्रीलिंग) षष्ठी विभक्ति, एकवचन
 गुरु (पुंल्लिंग) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन
 राम (पुंल्लिंग) तृतीया विभक्ति, बहुवचन
- (ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो धातुरूपों में धातु,
 लकार, पुरुष एवं वचन का निर्देश कीजिए : 2
- भविष्यन्ति, अगच्छम्, नीयात, कथयति ।
3. निम्नलिखित पदों में धातु एवं प्रत्यय को अलग करके
 दिखाइए : 4
- करणम्, नत्वा, गम्य, अभिलाषः ।
4. कर्तृवाच्य के निम्नलिखित पदों को कर्मवाच्य में परिवर्तित
 कीजिए : 4
- (क) बालकः रामायणं पठति ।
 (ख) रमा फलं खादति ।
 (ग) लता ओदनं पचति ।
 (घ) त्वं विद्यालयं गच्छसि ।
5. (क) निम्नलिखित पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए : 2
- हिताहितम्, शामोऽगच्छत्, वागर्थ, जगदीशः ।
- (ख) निम्नलिखित वर्णों के उच्चारण स्थान लिखिए : 2
- क, इ, च, न ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर लगभग 100 – 150 शब्दों में आलेख लिखिए :

8

- (क) कठोपनिषद्
- (ख) चम्पूकाव्य
- (ग) नाटक
- (घ) सुश्रुत संहिता

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए :

8

- (क) महाभारतम्
- (ख) भासः
- (ग) शीलं परं भूषणम्
- (घ) हितोपदेशः

8. निम्नलिखित पद्य को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

4

सार्थः प्रवसतो मित्रं भार्या मित्रं गृहे सतः ।

आतुरस्य भिषङ्मित्रं दानं मित्रं मरिष्यतः ॥

- (क) प्रवासी का मित्र कौन है ?
- (ख) भार्या कहाँ पर मित्र होती है ?
- (ग) आतुर व्यक्ति का मित्र कौन होता है ?
- (घ) 'दान' किसका मित्र होता है ?

9. निम्नलिखित में से किसी एक की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :

4

(क) त्वमेव तावत्परिचिन्तय स्वयं,
कदाचिदेते यदि योगमर्हतः ।
वधूदुकूलं कलहंसलक्षणम्,
गजाजिनं शोणितबिन्दुवर्षि च ॥

(ख) तिस्रो रात्रीर्यदवात्सीर्गृहे मे
अनश्नन् ब्रह्मन्नतिथिर्नमस्यः ।
नमस्तेऽस्तु ब्रह्मन् स्वस्ति मेऽस्तु
तस्मात्प्रति त्रीन्वराण्वृणीष्व

(ग) लतेव विटपकानध्यारोहति । गङ्गेव
वसुजनन्यपि तरङ्गबुदबुदचञ्चला ।
दिवसकरगतिरिव प्रकटित-विविध संक्रान्तिः ।
पातालगुहेव तमो बहुला ।

10. आयुर्वेदाचार्य चरक के विषय में संस्कृत भाषा में 10 वाक्य लिखें ।

6

अथवा

अपने अध्यापक को 2 दिन का अवकाश लेने के लिए संस्कृत में प्रार्थना-पत्र लिखिए ।